

तृतीय प्रश्न पत्र

भारतीय दर्शन

एम.ए.एस.एल-103

अनुक्रम

खण्ड -1 अद्वैत वेदान्त

इकाई 1- विशिष्टाद्वैतवेदान्त दर्शन का सिद्धान्त

इकाई 2- द्वैत वेदान्त दर्शन का सिद्धान्त

इकाई 3- द्वैताद्वैत वेदान्त दर्शन का सिद्धान्त

खण्ड 2- सांख्यकारिका

इकाई 1- सांख्यदर्शन का संक्षिप्त इतिहास एवं तत्व मीमांसा

इकाई 2- दुःखत्रय, सत्कार्यवाद पुरुष –बहुत्व, प्रकृति –पुरुष समबन्ध

इकाई 3- सांख्यकारिका 1 से 10 मूल पाठ, अर्थ व्याख्या

इकाई 4- सांख्यकारिका 11 से 20 मूल पाठ, अर्थ, व्याख्या

इकाई 5 – सांख्यकारिका 21 से 30 मूल पाठ, अर्थ, व्याख्या

खण्ड 3- वेदान्तसार

इकाई 1- वेदान्त दर्शन का ऐतिहासिक स्वरूप

इकाई 2- वेदान्तसार के प्रमुख सिद्धान्त का समीक्षक

इकाई 3- मंगलाचरण से अनुबन्ध चुतुष्टय तक

इकाई 4- आवरण एवं विक्षेप शक्ति

इकाई 5- सूक्ष्म शरीर एवं पंचीकरण

खण्ड 4- जैन एवं चार्वाक

इकाई 1- जैनमत का इतिहास

इकाई 2- जैन दर्शन का सिद्धान्त भाग 1

इकाई 3- जैन दर्शन का सिद्धान्त भाग 2

इकाई 4- चार्वाक दर्शन का परिचय एवं सिद्धान्त

इकाई 5- चार्वाकीय सिद्धान्तों की अन्य भारतीय दर्शनों में आंशिक उपस्थिति

इकाई 6- चार्वाक दर्शन का वर्तमान व्यावहारिक व सांसारिक जीवन से सम्बन्ध

खण्ड 5- न्याय दर्शन

इकाई 1 -न्याय दर्शन का संक्षिप्त इतिहास

इकाई 2 -तर्क भाषा, प्रमेयों के नाम, प्रमाण कारण एवं उनका स्वरूप

इकाई 3- प्रत्यक्ष प्रमाण एवं इन्द्रियार्थ सन्निकर्ष

इकाई 4 -तर्क भाषा, अनुमान प्रमाण, व्याप्ति एवं उसके भेदों की मीमांसा

इकाई 5 प्रमेय पदार्थ निरूपण, स्वार्थानुमान, परार्थानुमान, हेत्वाभास